IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2019
Impact Factor: 4.819

भारत में शिक्षा का निजीकरण: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

डॉ. चन्दन कुमार पाण्डेय

असिस्टेंट प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, मौदहा हमीरपुर

सारांश:- एलपीजी (लिबरलाइजेशन प्राइवेटाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन) की आंच में आज शिक्षा भी बाजार की वस्तु बन गई है। शिक्षा व्यवस्था में निजी हाथों की भूमिका बढ़ती जा रही है। शिक्षा के निजीकरण पर अगर हम अपना ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारे मन मस्तिष्क में दो प्रश्न खड़े होते हैं –

1 क्या शिक्षा का निजीकरण भारत जैसे देश के लिए उचित है?

2. क्या शिक्षा के निजीकरण से शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं से निजात पाया जा सकता है?

प्रस्तुत शोध पत्र में हम इन्हीं प्रश्नों का उतर द्वितीयक स्रोत से प्राप्त तथ्यों के आधार पर ढूंढने का प्रयास करेंगे।

मुख्य शब्द:- शिक्षा, शिक्षक , छात्र,निजीकरण,गरीब,अमीर।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in